an>

Title: Need to give Scheduled Castes status to many backward castes in the state of Bihar.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं। बिहार में मल्लाह, कानू, नाई, प्रजापति, लुहार, कहार, बेलदार, बिन्द, ताती, तत्वा, गनौत, बढ़ई, नुनिया, तुड़ा, राजभर, मालाकार सहित कई जातियां अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग लम्बे अर्से से कर रही हैं। इनका आर्थिक और सामाजिक स्तर अनुसूचित जाति के समकक्ष है या कमतर है। इनकी स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण इनमें से कई जातियों को देश के कई राज्यों में अनुसूचित जाति का दर्जा दिया गया है, परंतु बिहार में अभी तक इन्हें यह दर्जा नहीं दिया गया है। इनमें से करीब 11 जातियों की एंथोग्राफिक रिपोर्ट राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को भेजी है, जिसमें इन जातियों को अनुसूचित जाति में अधिसूचित करने की अनुशंसा की है। लेकिन मामला अभी तक केन्द्रीय स्तर पर अटका हुआ है। मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहना चाहूंगा कि यह मांग बहुत बरसों से चल रही है और बहुत महत्वपूर्ण मांग है इसलिए जिन जातियों की एंथोग्राफिक रिपोर्ट आ गई है, उन्हें तुरंत अनुसूचित जाति में अधिसूचित किया जाए। इसके अलावा जिन जातियों की एंथोग्राफिक रिपोर्ट नहीं आई है, उनके बारे में बिहार सरकार से रिपोर्ट मंगाकर अनुसूचित जाति में अधिसूचित करने की कृपा की जाए।